एसआरटी एग्रो साइंस प्रा. लि.

ग्राम–फुण्डा,तह.–पाटन,जिला–दुर्ग(छत्तीसगढ़)

(गन्ना के एक एकड़ की खेती के लिये)

क्र.	रोग / बीमारी	उत्पाद	मात्रा प्रति एकड़	उपयोगिता	सावधानी
1.	**बीजोपचार** इण्डोफा कैप्स, बैसिलस कैप्स एसीटो कैप्स को 50 लीटर पानी में घोल लें । इस घोल में की गांठों को 10–15मिनट तक डुबाकर रखें। फिर 30 मिनट तक छाया में सुखाकर तुरंत बोवाई करें ।षेष बचे हुए घोल को पर्याप्त मात्रा में रेत या गोबर खाद में मिलाकर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें।	इण्डोफा कैप्स बैसिलस कैप्स + एसीटो कैप्स	2कैप्सूल + 2कैप्सूल + 2कैप्सूल	बीजों की अंकुरण क्षमता बढ़ाता है।	रासायनिक फफूंदीनाषक एवं जीवाणुनाषक नहीं मिलायें । तैयार बायोकैप्सूल घोल को बीजोपचार और भूमि उपचार के लिए तुरंत उपयोग करें।
2.	**भूमिउपचार** एसीटो कैप्स और पीएसबी प्लस कैप्स को 200लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ की दर से ड्रिप से दें या कैप्सूल को 15 लीटर पानी में घोलकर 40–50कि.ग्रा. रेत या गोबर खाद में मिलाकर प्रति एकड़ की दर से रोपाई या बोवाई के दौरान दें।	एसीटो कैप्स	2कैप्सूल	यूरिया की मात्रा 50 प्रतिषत तक कम करेगा, फॉस्फोरस की कमी को पूरी करेगा एवं (डी ए पी) की मात्रा कम करेगा । जड़ों का विकास कर भूमि में रहने वाले तत्वों को पौधों को उपलब्ध कराता है ।	रासायनिक फफूंदीनाषक एवं जीवाणुनाषक नहीं मिलायें ।
		पी.एस.बी. प्लसकैप्स	2कैप्सूल		
		माइकोराईजा (माइकोमार्षल)	3 कि.ग्रा. प्रति एकड़		
		पोटाष ग्रो कैप्स	1कैप्सूल		
		जिंक ग्रो कैप्स	1कैप्सूल		
		ह्यूमिग्रो (ग्रेन्युल) (ह्यूमिक एसिड)	5 कि.ग्रा. प्रति एकड़		
		एसआरटी प्रॉम	200कि.ग्रा. प्रति एकड़		
3.	**<u>फसल की अच्छी बढ़वार के लिए</u>**–बोवाई के 20–30 दिन के बाद एक एकड़ में छिड़काव करें ।	क्रॉपफोर्स (बायोझाइम)+ एनपीके 6:12:10 + एसीटो कैप्स	5 कि.ग्रा. + 150कि.ग्रा. + 1कैप्सूल	फसल की अच्छी बढ़वार एवं तने की मोटाई बढ़ाता है। फसल की बोवाई के 1 माह बाद से 3 माह तक 50कि.ग्रा.प्रति एकड़ की दर से एनपीके (ग्रेन्युल) का छिड़काव करें।	रासायनिक फफूंदीनाषक एवं जीवाणुनाषक नहीं मिलायें ।

4	**<u>बोवाई के 40–50 दिन केबाद</u>**–जिंक ग्रो कैप्स और पोटाषग्रो कैप्स को 200लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ की दर से ड्रिप से दें या कैप्सूल को 15 लीटर पानी में घोलकर 40–50कि.ग्रा. रेत या गोबर खाद में मिलाकर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें ।	पोटाष ग्रो कैप्स + जिंक ग्रो कैप्स + पी.एस.बी. प्लसकैप्स	2कैप्सूल + 2कैप्सूल + 1कैप्सूल	फसल की उपज को बढ़ाता है।	अघुलनषील जिंक और पोटेषियम को घुलनषील अवस्था में उपलब्ध कराता है।
5.	**<u>उत्पादन अधिक लेने के लिए</u>**–	ऐल्प + एसीटो कैप्स	5 कि.ग्रा. + 1कैप्सूल	अत्यधिक उत्पादन एवं गुणवत्ता लाने के लिए।	दोनों उत्पाद को एक दिन के अन्तराल मे उपयोग करे
6	**रोगों से रोकथाम के लिए**–	इण्डोफा कैप्स बैसिलस कैप्स पैकलिक कैप्स	1कैप्सूल + 1कैप्सूल + 1कैप्सूल	तीनों उत्पाद को 200लीटर पानी में घोलकर ड्रिप से मई,जुलाई और सितंबर में दें।	
7	**कीटों से रोकथाम और बेहतर उपज के लिए (सभी प्रकार इल्लियों और रसचूसक कीटों के लिए)**–	ट्रेप्स कैप्स लाईफ लाईन कैप्स सोनहा बिहान	1कैप्सूल + 1कैप्सूल 250ग्राम	ट्रेप्स **कैप्स** लाईफ लाईन **कैप्स** और सोनहा बिहान को 200लीटर पानी में घोलकर फोलियर स्प्रे करें या ड्रिप से जमीन में दें।	ट्रेप्स **कैप्स +** लाईफ लाईन **कैप्स** और सोनहा बिहान को अलग अलग घोल बनाकर एक साथ टेंक में मिक्स कर तुरंत स्प्रे करें।

नोट :– 1 रसचूसक कीटों और इल्लियों की रोकथाम के लिए प्रति माह अमावस्या के समय ट्रेप्स कैप्स और लाईफ लाईन कैप्स का उपयोग करें।

2 जीवाणु जनित और फफूंद जनित रोगों की रोकथाम के लिए प्रति माह अमावस्या के समय इण्डोफा कैप्स और बैसिलस कैप्स का उपयोग करें।

3 अधिक बारिष या बादल होने पर इण्डोफा कैप्स और बैसिलस कैप्स का स्प्रे करें।

4 उचित दिन पर उत्पाद का प्रयोग करने के लिए पृष्ठ के पीछे की ओर देखें ।

जैव उत्पाद का उपयोग करने के लिए उचित तिथि

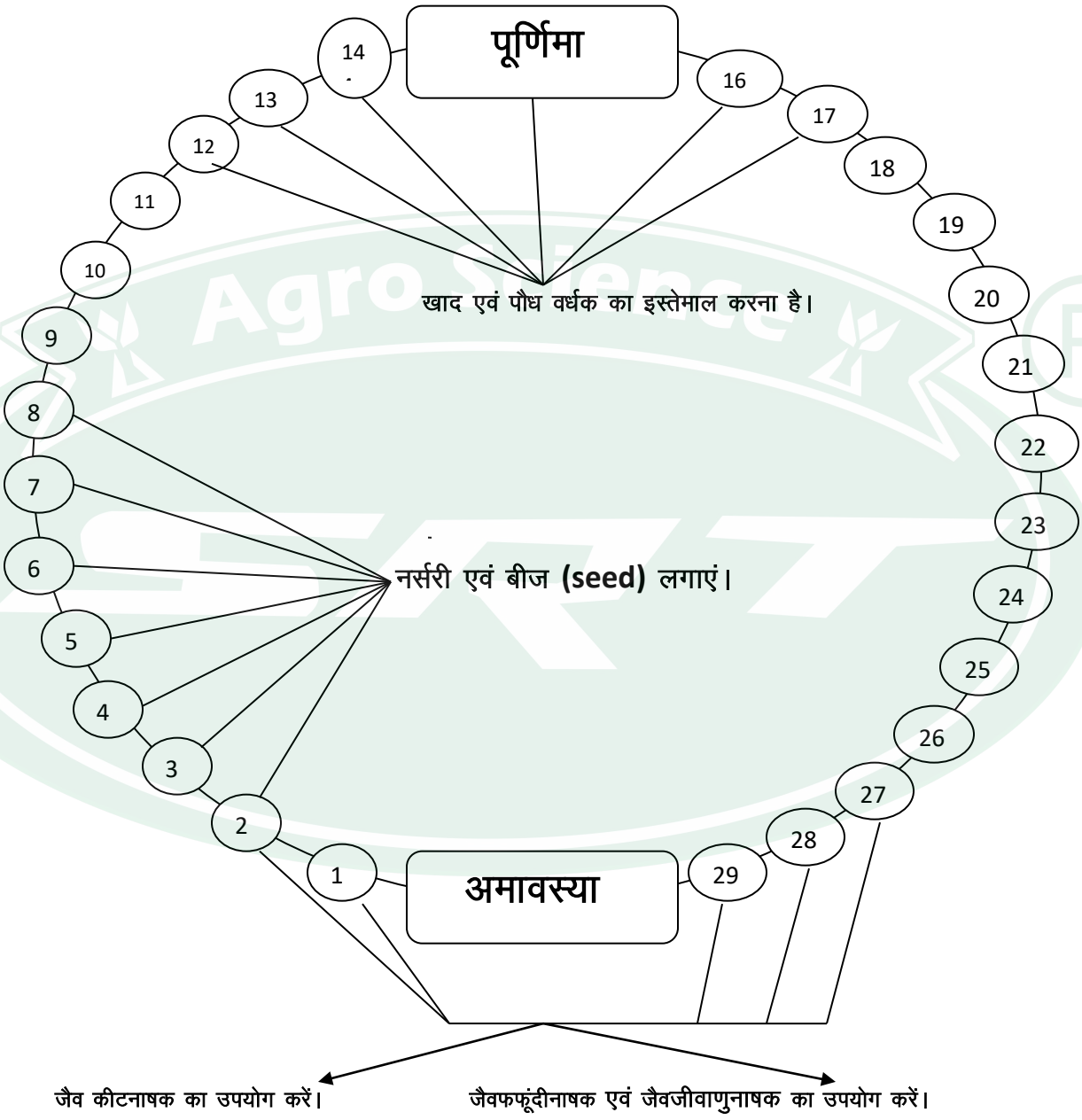

नोट :– 1 अचानक मौसम बदलने पर जैव फफूंदीनाशक एवं जैव जीवाणुनाषक का उपयोग करें।